जग की माया छोड़ के प्यारे श्याम के गुण तू गाएजा लिरिक्स

जग की माया छोड़ के प्यारे,
श्याम के गुण तू गाएजा,
थामेगा ये हाथ तुम्हारा,
थामेगा ये हाथ तुम्हारा,
तू भी हाथ बढ़ाए जा,
जग की माया छोड़ के प्यारें।bd।

तर्ज – नगरी नगरी द्वारे द्वारे।

सागर लाखों है इस जग में,
सबसे गहरी तेरी आँखे,
डूब जा इन आँखों में बन्दे,
खुद तेरी नाव चलाए,
जीवन को तेरे श्याम संभाले,
डोर इनको सौंपे जा,
जग की माया छोड़ के प्यारें।bd।

तुझपे ही एक आस बची है,
और किसी अपने पे ना,
आज मेरा बांके बिहारी,
दिखला दे तू अपनी अदा,
तेरे दर बस सर झुकाऊं,
अपने गले लगा ले ना,
जग की माया छोड़ के प्यारें।bd।

आखिरी आस प्रभु दिल की मेरे,
चरणों में समर्पित है,
दर की धूलि मिले बस उसको,
हार के जो भी आया है,
'केशव' का विश्वास यही है,
ग्यारस पे तू बुलाएगा,
Bhajan Diary Lyrics,
जग की माया छोड़ के प्यारें।bd।

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

जग की माया छोड़ के प्यारे,
श्याम के गुण तू गाएजा,
थामेगा ये हाथ तुम्हारा,
थामेगा ये हाथ तुम्हारा,
तू भी हाथ बढ़ाए जा,
जग की माया छोड़ के प्यारें।bd।

Singer – Keshav Bajaj

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com